चिकित्सा शिक्षकों ने गाए गाने, थिरके छात्र

चिकित्सा महाविद्यालय में नव प्रवेशित छात्रों के स्वागत के लिए गीतमय प्रस्तुति के साथ नृत्य करते हुए छात्र। ● आयोजक

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर: पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में नव प्रवेशित छात्रों की वाइट कोर्ट सेरेमनी के बाद संगीतमय स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रोफेसरों सहित विभागाध्यक्षों ने भी अपने संगीत कौशल का परिचय दिया। साथ ही एमबीबीएस छात्रों ने उस पर जमकर नृत्य किया। डा. अरविंद नेरल के नेतृत्व में आयोजित इस मनोरंजक कार्यक्रम का संचालन डा. पीयूष भार्गव ने किया। अधिष्ठाता डा. विवेक चौधरी व अधीक्षक डा. संतोष सोनकर के अलावा डा. देवप्रिय लकड़ा, डा. मंजू सिंह, डा. ओंकार खंडवाल, डा. सुमीत त्रिपाठी, डा. जागृति अग्रवाल, डा. पीके खोडियार, डा. निकिता शेरवानी, डा. राबिया परवीन सिद्दीकी, डा उषा जोशी, डा. हंसा बंजारा, डा. जया लालवानी, डा. केके साहू, डा. विवेक पात्रे, डा. आरके पांडा और अन्य चिकित्सा शिक्षक उपस्थित थे।

वाइट कोट सेरेमनी के बाद इंजाय करते छात्र। ● नईदुनिया

संगीतमय प्रस्तुतियां देती महिला प्रोफेसर। ● आयोजक

नव प्रवेशित छात्रों की वाइट कोर्ट सेरेमनी के बाद संगीतमय स्वागत कार्यक्रम में मस्ती में झूमे छात्र। ● आयोजक

सेरेमनी के दौरान उपस्थित डीन, सुपरिटेंडेंट सहित प्रोफेसर इन पलों को भविष्य के लिए सहेजते हुए। ग्रुप में सभी तस्वीर खिंचवाते हुए। ● आयोजक

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Raipur Raipur Bhoomi - 10 Dec 2024 - Page 6

सिटी इवेंट

शिक्षक डॉक्टर ने नवप्रवेश छात्रों को सुनाया गाना, एक साथ किया डांस

रायपुर। पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए एम.बी. बी.एस. में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए औपचारिक व्हाइट कोट सेरेमनी के बाद संगीतमय स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय परिसर में स्थित अटल बिहारी बाजपेयी सभागार में ढाई घंटे तक चले इस कार्यकम में वरिष्ठ चिकित्सा शिक्षकों ने अपने संगीतमय हुनर का प्रदर्शन किया। एम.बी.बी.एस. प्रथम वर्ष में नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने भी एकल व समूह गान प्रस्तुत किए। मधुबन खुशबु देता है, सागर सावन देता है.., जैसे प्रेरक समूह गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ अधिष्ठाता, डॉ. विवेक चौधरी की उपस्थिति में किया गया। तत्पश्चात एकल गीतों की कड़ी में डॉ. देवप्रिय रथ का आरंभ है प्रचंण... डॉ. अरविन्द नेरल का प्यार दीवाना होता है..,डॉ. वर्षा मुंगुटवार बाबू जी जरा धीरे चलना.., डॉ. आर.एल. खरे- सुनो न संगमरमर.., डॉ. विभा पात्रे- ओ मेरे सोना रे सोना, डॉ. आकाश लालवानी - 'सांसों की जरूरत है जैसे, डॉ. संतोष सोनकर- मैं हूं डॉन.., डॉ. पीयूष भार्गव- सोचेंगे तुम्हें प्यार करें कि नहीं.., डॉ. मान्या ठाकुर मोह-मोह के धागे और डॉ. कुशल चक्रवर्ती की बेसब्रियां प्रस्तुतियां काफी सराही गईं।

शिक्षकों ने छात्रों के साथ किया डांस

कार्यक्रम में शिक्षकों ने अपनी दिलकश आवाज के साथ छात्रों को खुश कर दिया। इस दौरान जब चिकित्सा शिक्षकों ने बदन पे सितारे लपेटे हुए.., और आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे.., जैसे गाने समूह गीत के रूप में पेश किए तो शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने जमकर डांस और मस्ती की। विद्यार्थियों की ओर से पारूल साहू, शीतल एक्का, समीप कुजूर, प्रियांश राज और प्रिया कुमारी ने एकल गायन प्रस्तुत किया। डॉ. अरविन्द नेरल के नेतृत्व में आयोजित इस मनोरंजक कार्यकम का संचालन डॉ. पीयूष भार्गव ने किया। अधिष्ठाता एवं अधीक्षक के अलावा डॉ. देवप्रिय लकड़ा, डॉ. मंजू सिंह, डॉ. ओंकार खण्डवाल, डॉ. सुमीत त्रिपाठी, डॉ. जागृति अग्रवाल, डॉ. पी. के. खोडियार, डॉ. निकिता शेरवानी, डॉ. राबिया परवीन सिद्दीकी, डॉ. उषा जोशी, डॉ. हंसा बंजारा, डॉ. जया लालवानी, डॉ. के.के. साहू, डॉ. विवेक पात्रे, डॉ. आर. के पांडा और अन्य चिकित्सा शिक्षक उपस्थित थे।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Rajdhani - 10 Dec 2024 - 10raj3
epaper.navabharat.news

शिक्षकों के गानों पर जमकर थिरके चिकित्सा छात्र

मेडिकल कॉलेज में नवप्रवेशित छात्रों का संगीतमय स्वागत

नवभारत रिपोर्टर। रायपुर।

पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति मेडिकल कॉलेज में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए एमबीबीएस में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिये औपचारिक 'वाइट कोट सेरेमनी' के बाद संगीतमय स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। वरिष्ठ चिकित्सा शिक्षकों ने अपने संगीतमय हुनर का प्रदर्शन किया। कॉलेज परिसर स्थित अटल बिहारी बाजपेयी सभागार में ढाई घंटे तक चले इस कार्यकम में चिकित्सा शिक्षकों के साथ ही एमबीबीएस प्रथम वर्ष में नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने भी एकल व समूह गान प्रस्तुत किये। 'मधुबन खुशबू देता है, सागर सावन देता है' जैसे प्रेरक समूह गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी की उपस्थिति में किया गया। तत्पश्चात एकल गीतों की कड़ी में डॉ. देवप्रिय रथ ने 'आरंभ है प्रचंड', डॉ. अरविन्द नेरल ने 'प्यार दीवाना होता है', डॉ. वर्षा मुंगुटवार ने 'बाबू जी जरा धीरे चलना', डॉ. आर.एल. खरे ने 'सुनो न संगमरमर', डॉ. विभा पात्रे ने 'ओ मेरे सोना रे सोना', डॉ. आकाश लालवानी ने 'सांसों की जरूरत है जैसे', डॉ. संतोष सोनकर ने 'मैं हूं डॉन', डॉ. पीयूष भार्गव ने 'सोचेंगे तुम्हें प्यार करें कि नहीं', डॉ. मान्या ठाकुर ने 'मोह-मोह के धागे' और डॉ. कुशल चक्रवर्ती ने 'बेसब्रियां' की प्रस्तुति दी। युगल गीत 'इत्ती सी हंसी' डॉ. मान्या ठाकुर और डॉ. आकाश लालवानी तथा 'दीवाना हुआ बादल' डॉ. अरविन्द नेरल और डॉ वर्षा मुंगुटवार ने प्रस्तुत किये। जब चिकित्सा शिक्षकों ने 'बदन पे सितारे लपेटे हुए' और 'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे' जैसे समूह गीत प्रस्तुत किए तो शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने जमकर धमाल मचाया। विद्यार्थियों की ओर से पारूल साहू, शीतल एक्का, समीप कुजुर, प्रियांश राज और प्रिया कुमारी ने एकल गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता एवं अधीक्षक के अलावा डॉ. देवप्रिय लकड़ा, डॉ. मंजु सिंह, डॉ. ओंकार खण्डवाल, डॉ. सुमीत त्रिपाठी, डॉ. जागृति अग्रवाल, डॉ. पी. के. खोडियार, डॉ. निकिता शेरवानी, डॉ. राबिया परवीन सिद्दीकी, डॉ. उषा जोशी, डॉ. हंसा बंजारा, डॉ. जया लालवानी, डॉ. के.के. साहू, डॉ. विवेक पात्रे, डॉ. आर. के पांडा और अन्य चिकित्सा शिक्षक उपस्थित थे।